17-06-2023

सॉवरन स्वर्ण बांड स्कीम

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से सॉवरेन स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) को दो चरणों में जारी करने का निर्णय लिया है।

त्वरित मुद्दा?

- नवंबर, 2015 में सरकार ने घरेलू स्तर पर सोने की मांग को कम करने और बचत के एक हिस्से (जिसका उपयोग सोना खरीदने के लिये किया जाता है) को वित्तीय बचत में बदलने के उद्देश्य से सॉवरन स्वर्ण बांड (Sovereign Gold Bond) योजना शुरु की थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- स्वर्ण बांड सरकारी प्रतिभूति (GS) अधिनियम, 2006 के तहत भारत सरकार के स्टॉक के रूप में जारी किये जाते हैं।
- ये भारत सरकार की ओर से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किये जाते हैं।
- सॉवरन स्वर्ण बांड (एसजीबी) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल), नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जैसे, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।
- **पात्रता:** एसजीबी निवासी व्यक्तियों, हिन्दू अविभाजित परिवारों, न्यासों, विश्वविद्यालयों, धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जाएंगे।
- **मूल्यवर्ग:** एसजीबी को एक ग्राम की मूल यूनिट के साथ ग्राम (ग्रामों) के गुणजों के मूल्यवर्ग में वर्गीकृत किया जाएगा।
- **अवधि:** 5वें वर्ष के पश्चात् समय पूर्व मोचन के साथ बांड की अवधि 8 वर्ष की होगी जिसका प्रयोग ब्याज की देय तारीखों पर किया जा सकेगा।
- **न्यूनतम मात्रा:** न्यूनतम अनुमत निवेश एक ग्राम सोना होगा।
- **अधिकतम सीमा:** निवेश की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलो ग्राम और ट्रस्टों और सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित समान संस्थाओं के लिए 20 किलो ग्राम प्रति वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) की होगी। इसके संबंध में, स्वघोषणा आवेदन करते समय प्राप्त की जाएगी। वार्षिक अधिकतम सीमा में, वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न ट्रांशों के अंतर्गत अभिदत्त बांड और द्वितीयक बाजार से खरीदे जाने वाले बांड शामिल होंगे।
- **निर्गमन मूल्य:** एसजीबी का मूल्य अभिदान की अवधि से पहले सप्ताह के अंतिम तीन कार्य दिवसों के लिए इंडियन बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन लि. द्वारा प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के सामान्य औसत के आधार पर भारतीय

रुपए में तय किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन करने वालों और इसका भुगतान डिजीटल रूप में करने वालों के लिए स्वर्ण बांड का निर्गम मूल्य 50 रूपए प्रतिग्राम कम होगा।

- **भुगतान का विकल्प:** एसजीबी के लिए भुगतान नकद भुगतान (अधिकतम 20,000 रूपए) या डिमांड ड्राफ्ट या चैक या इलेक्ट्रानिक बैंकिंग के जरिए होगा।
- **उन्मोचन मूल्य:** उन्मोचन मूल्य आईबीजेए द्वारा प्रकाशित 999 की शुद्धता वाले सोने के पिछले तीन कार्य दिवस के लिए अंतिम मूल्य के साधारण औसत के आधार पर भारतीय रूपए में होगा।
- **ब्याज दर:** निवेशकों को निवेश के आरंभिक मूल्य पर 2.50 प्रतिशत प्रति वर्ष की नियत दर पर अर्धवार्षिक रूप से देय होगा।
- **केवाईसी प्रलेखन:** अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) मानदंड वही होंगे जो वास्तविक सोने की खरीद के हैं। केवाईसी दस्तावेज जैसे मतदाता पहचानपत्र, आधार कार्ड/पैन या टैन/पासपोर्ट जरूरी होंगे। प्रत्येक आवेदन के साथ आयकर विभाग और अन्य इकाइयों द्वारा जारी किया गया पैन नम्बर लगा होना चाहिए।
- **कर उपचार:** आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसार एसजीबी पर ब्याज करादेय होगा। किसी व्यक्ति को एसजीबी के उन्मोचन से प्राप्त पूंजी लाभ कर पर छूट दी गई है।
- **व्यापार योग्यता:** एसजीबी स्टाक एक्सचेंजों में व्यापार योग्य होंगे।

टिश्यू इंजीनियरिंग स्कैफोल्ड

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, भारतीय औषधि नियंत्रक ने चोट के न्यूनतम निशान के साथ त्वचा के घावों का उपचार करने के लिए पहले स्वदेशी रूप से विकसित पशुओं से निकाले गए टिश्यू इंजीनियरिंग स्कैफोल्ड को मंजूरी प्रदान की।

त्वरित मुद्दा?

- स्तनपायी अंगों से स्वदेशी रूप से विकसित प्रथम टिश्यू इंजीनियरिंग स्कैफोल्ड, पशुओं से निकाली गई क्लास डी बायोमेडिकल डिवाइस है, जो त्वचा के घावों का न्यूनतम निशान के साथ तेजी से उपचार कर सकती है।

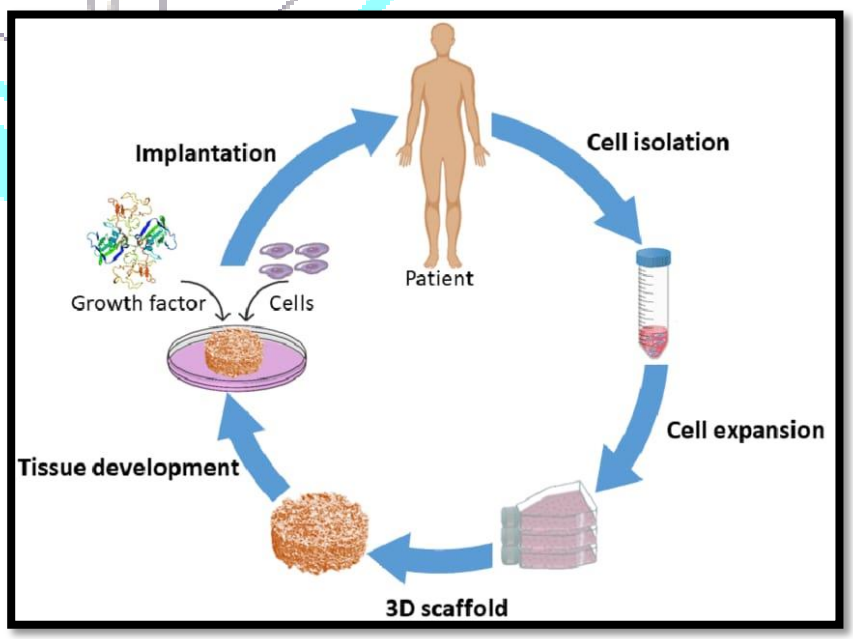

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इस औषधि का विकास, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (SCTIMST) द्वारा किया गया है।
- SCTIMST के शोधकर्ताओं ने स्तनधारी पशुओं के अंगों से टिश्यू इंजीनियरिंग स्कैफोल्ड विकसित करने के लिए एक नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी विकसित की है।

- कोलेडर्म के रूप में पहचाने जाने वाले स्कैफोल्ड के मेम्ब्रेन रूपों ने चूहे, खरगोश तथा कुत्तों में जले के घावों सहित विभिन्न प्रकार के त्वचा के घावों का उपचार किया।
- कोलेडर्म एक घाव भरने वाली सामग्री है।
- शोधकर्ताओं ने उपचार प्रतिक्रिया के संभावित तंत्र को उजागर किया और प्रदर्शित किया कि ग्राफ्ट-सहायता प्राप्त उपचार को एंटी-इनफ्लेमेटरी (प्रो-रीजेनरेटिव) मैक्रोफेज के एम-2 टाइप के द्वारा विनियमित किया गया था।
- स्कैफोल्ड ने सलक्यूटेनियस, कंकाल की मांसपेशियों और कार्डियक टिश्यू में स्कैरिंग के निशान वाली प्रतिक्रियाओं को संशोधित या कम कर दिया।
- उन्नत घाव देखभाल उत्पादों के रूप में पशुओं से निकाली गई सामग्रियों का उपयोग करने की अवधारणा नई नहीं है।
- अब तक औषधि महानियंत्रक की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले गुणवत्ता उत्पादों के निर्माण के लिए अभी तक स्वदेशी तकनीक उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, ऐसे उत्पादों का आयात किया जाता था, जिससे वे महंगे हो जाते थे।
- भारतीय बाजार में कोलेडर्म की शुरुआत के साथ, उपचार की लागत 10,000/- रुपये से घटकर 2,000/- रुपये हो सकती है, जिससे यह आम आदमी के लिए अधिक किफायती हो जाएगा।
- श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, श्रेणी-डी चिकित्सा उपकरणों को विकसित करने वाला देश का पहला संस्थान बन गया है, जो भारत सरकार के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की सभी वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

न्यूज फटाफट

मेयॉन ज्वालामुखी

- 11 जून, 2023 को मेयॉन ज्वालामुखी से लावा निकलने के कारण लगभग 18,000 लोगों को आपातकालीन आश्रयों में भागने के लिये मजबूर होना पड़ा।

- लेगास्पि शहर सक्रिय मेयॉन ज्वालामुखी से घिरा हुआ है, जो लूज़ोन के फिलीपीन द्वीप के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
- यह अपने शंक्वाकार (Conical) आकार के लिये जाना जाता है और फिलीपींस के 24 ज्ञात ज्वालामुखियों में सबसे अधिक सक्रिय है।
- वर्ष 1616 के बाद से मेयॉन में 30 से अधिक बार विस्फोट हो चुका है, इसमें सबसे विनाशकारी विस्फोट वर्ष 1814 में हुआ था जिसमें एक पूरा गाँव दब गया थे और 1,000 से अधिक लोग मारे गए थे।
- यह ज्वालामुखी पर्वतारोहियों तथा शिविरार्थियों (Campers) के बीच काफी लोकप्रिय है और यह मेयॉन ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान का केंद्र है।

करी ईशाद आम को GI टैग मिला

- उत्तर कन्नड़ के अंकोला तालुक के करी ईशाद आम को केंद्र सरकार के तहत भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री से भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिला है।
- माथा टोटागर्स फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को GI सर्टिफिकेट जारी किया गया।
- विशिष्ट सुगंध, रमणीय स्वाद, मुलायम लुगदी गूदा और आकर्षक आकार सहित अपनी असाधारण विशेषताओं के लिये पहचाने जाने वाला करी ईशाद आम को बेहतरीन आम किस्मों में से एक के रूप में माना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (International Energy Agency- IEA) भारत को शामिल करने हेतु अपनी पूर्ण सदस्यता शर्तों की समीक्षा करेगी।
- IEA का सदस्य बनने हेतु उम्मीदवार देश को OECD का सदस्य देश होना चाहिये एवं कई आवश्यकताओं को प्रदर्शित करना चाहिये।
- इनमें पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के 90 दिनों के बराबर कच्चे तेल और/या उत्पाद भंडार शामिल हैं, जिन तक सरकार की तत्काल पहुँच है तथा इसका उपयोग वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधानों को दूर करने हेतु किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय तेल खपत को 10% तक कम करने हेतु मांग संयम कार्यक्रम; राष्ट्रीय आधार पर समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया उपाय (Coordinated Emergency Response Measures- CERM) को संचालित करने के लिये कानून एवं संगठन का निर्माण करना तथा ऐसे कानून व उपाय करना कि इसके अधिकार क्षेत्र के तहत सभी तेल कंपनियाँ अनुरोध पर जानकारी की रिपोर्ट करें, साथ ही IEA के तहत सामूहिक कार्रवाई हेतु विविध प्रावधान करना।
- भारत IEA का सदस्य नहीं है। IEA पेरिस, फ्राँस में वर्ष 1974 में स्थापित एक स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन है। यह आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण सहित ऊर्जा नीतियों पर केंद्रित है। IEA 31 सदस्य देशों से बना है।

गैबॉन की पहली कृषि-SEZ परियोजना

- केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने आधिकारिक तौर पर गैबॉन की पहली कृषि-SEZ (विशेष आर्थिक क्षेत्र) परियोजना शुरू की।
- परियोजना तकनीकी तथा ज्ञान भागीदार के रूप में सेंचुरियन विश्वविद्यालय के साथ AOM समूह द्वारा कार्यान्वित की जाएगी।
- कार्यक्रम के प्रथम चरण में 30 किसान एवं गजपति ज़िले के 20 बी.एससी./एम.एससी. एग्री और बी.टेक/एम.टेक इंजीनियरिंग के छात्र इस परियोजना के तहत विकसित किये जा रहे कृषि-SEZ के लिये कृषि-तकनीकी तथा तकनीकी सलाहकार के रूप में एक साथ गैबॉन की यात्रा करेंगे।
- गौरतलब है कि गजपति ओडिशा का एक आकांक्षी ज़िला (एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट) है।
- साथ ही उपनिवेश-विरोधी एकजुटता, प्रवासी सद्भावना और 'दक्षिण-दक्षिण' सहयोग का सिद्धांत भारत तथा अफ्रीकी महाद्वीप के बीच साझेदारी को मज़बूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जतन वर्चुअल म्यूजियम बिल्डर

- यह भारतीय संग्रहालयों के लिये एक डिजिटल संग्रह प्रबंधन प्रणाली है। इसे पुणे स्थित सी-डैक के ह्यूमन सेंटर डिजाइन एंड कंप्यूटिंग ग्रुप द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।
- यह इमेज क्रॉपिंग, वॉटरमार्किंग, यूनिक नंबरिंग और मल्टीमीडिया रिप्रेजेंटेशन के साथ डिजिटल ऑब्जेक्ट्स प्रबंधन जैसी विशेषताओं से लैस एक क्लाइंट-सर्वर एप्लिकेशन है।
- यह 3डी वर्चुअल गैलरी बनाने के साथ वेब, मोबाइल या टचस्क्रीन कियोस्क के माध्यम से सार्वजनिक पहुँच प्रदान कर सकता है।
- कलाकृतियों के बेहतर संरक्षण के लिये केंद्र सरकार ने इस वर्ष के अंत तक अपने प्रशासनिक नियंत्रण वाले सभी संग्रहालयों के 3डी डिजिटलीकरण को पूरा करने की योजना बनाई है।